[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7117 **L**

Unique Paper Code : 2333100021

Name of the Paper : FEMINIST SOCIAL WORK

Name of the Course : **B.A. (H) Social Work – DSE**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Examine the historical evolution of feminist thought globally to feminism in the contemporary world.

   वैश्विक स्तर पर नारीवादी विचारधारा के ऐतिहासिक विकास से लेकर समकालीन विश्व में नारीवाद तक के विकास का विश्लेषण कीजिए

2. Is there any relationship between feminist movements and human rights? Reflect on the diversity within feminist movements across identities.

   क्या नारीवादी आंदोलनों और मानवाधिकारों के बीच कोई संबंध है? विभिन्न पहचानों के संदर्भ में नारीवादी आंदोलनों की विविधता पर विचार कीजिए।

3. Critically assess the principles of Marxist Feminism. How is it different from Cultural Feminism? Give examples.

मार्क्सवादी नारीवाद के सिद्धांतों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। यह सांस्कृतिक नारीवाद से किस प्रकार भिन्न है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

4. The role of power has been central to feminist theories during the 1990s. Discuss in detail.

1990 के दशक के दौरान नारीवादी सिद्धांतों में शक्ति की भूमिका केंद्रीय रही है। विस्तार से चर्चा कीजिए।

5. What is Feminist Social Work and what is its significance in contemporary society? Also give a detailed description of its principles.

नारीवादी सामाजिक कार्य क्या है और समकालीन समाज में इसका क्या महत्व है? इसके सिद्धांतों का विस्तृत वर्णन भी कीजिए।

6. Give a comparative account of Traditional Social Work and Feminist Social Work perspectives.

पारंपरिक सामाजिक कार्य और नारीवादी सामाजिक कार्य के दृष्टिकोणों का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए।

7. Elaborate critically on the major legal protection mechanisms for achieving gender justice in India.

भारत में लैंगिक न्याय प्राप्त करने हेतु प्रमुख कानूनी संरक्षण तंत्रों पर समालोचनात्मक चर्चा कीजिए।

8. Write Short notes on any two of the following :

1. Sympathy Vs Solidarity 2. Intersectionality 3. Self-Reflexivity

निम्नलिखित में से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

1. सहानुभूति बनाम एकजुटता 2. अंतर्विभाजकता 3. आत्म-प्रतिबिंबन